



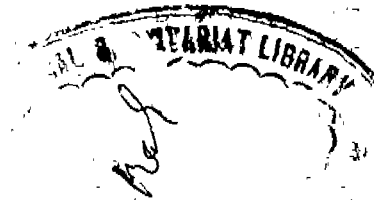
समयम जयते

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 504]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 6, 1995/अग्रहायण 15, 1917

No. 504] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 6, 1995/AGRAHAYANA 15, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1995

सं. 164/95-सीमाशुल्क

(ख) स्पष्टीकरण (2), में, "और जिसके अन्तर्गत इस प्रकार प्रदाय किए गए वस्ते हुए पूंजी माल भी है" शब्दों का शेष किया जाएगा।

[फा.सं. 805/184/95-बी.बी.के.]

ए.के. मदान, प्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 1995

No. 164/95-CUSTOMS

मा.का.नि. 780 (अ) :—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 81/95-सीमाशुल्क, तारीख 31 मार्च, 1995 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के प्रथम पैरा में,—

(क) शर्त (1) में, "मरम्मत करने, सजिसिंग, पुनरुद्धार, पुनरनुकूलन या नवीकरण" शब्दों का शेष किया जाएगा;

G.S.R. 780(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 81/95-Customs dated the 31st March, 1995, namely :—

In the first paragraph of the said notification,—

(a) in condition (i), the words, "repairing, servicing, restoration, reconditioning or renovation" shall be omitted ;

- (b) in the Explanation (II), the words, "and includes second-hand capital goods so supplied" shall be omitted.

[F. No. 605/184/95-DBK]

A. K. MADAN, Under Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 1995

सं. 72/95-सीमा-शुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एन०टी०)

सा.का.नि. 781 (अ) :—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 75 और केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 37/95-सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.) तारीख 26 मई, 1995 द्वारा अधिसूचित सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क वापसी नियम, 1995 का निम्नलिखित और संशोधन करती है; अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पाद शुल्क वापसी (संशोधन) नियम, 1995 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सीमाशुल्क और केंद्रीय उत्पादशुल्क वापसी नियम, 1995 के नियम 16 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

"16क. जहां निर्यात आगमों की वसूली न की गई हो वहां वापसी की रकम की वसूली।

- (1) जहां वापसी की कोई रकम निर्यातकर्ता या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् दावेदार कहा गया है) को संपन्न की गई है किन्तु ऐसे निर्यात माल के संबंध में विक्रय आगमों की वसूली विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) के अधीन अनुज्ञात अवधि के भीतर जिसके अंतर्गत ऐसी अवधि का कोई विस्तार भी है, भारत में निर्यातकर्ता द्वारा या उसकी ओर से नहीं की गई है वहां ऐसी वापसी की वसूली नीचे विनिर्दिष्ट रीति से की जाएगी।

- (2) भारतीय रिजर्व बैंक से सुसंगत सूचना की प्राप्ति पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर निर्यात आगमों की वसूली का साक्ष्य पेश करने के लिए निर्यातकर्ता को सूचना जारी कराएगा और निर्यातकर्ता जहां तीस दिन की उक्त अवधि के भीतर ऐसा साक्ष्य

पेश नहीं करता है वहां सहायक सीमाशुल्क आयुक्त दावेदार को संपन्न वापसी की रकम की वसूली करने के लिए आदेश पारित करेगा और निर्यातकर्ता उक्त आदेश की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर इस प्रकार मांगी गई रकम का प्रतिसंधाय करेगा।

परन्तु जहां विक्रय आगमों के एक भाग की वसूली कर ली गई है वहां वसूल की जाने वाली वापसी की रकम संपन्न वापसी की रकम के उस भाग के बराबर होगी जिसका नहीं अनुपात है जो कि वसूली न किए गए विक्रय आगमों के भाग का विक्रय आगमों की कुल रकम से है।

- (3) जहां निर्यातकर्ता उप-नियम (2) के अधीन निर्दिष्ट 60 दिन की उक्त अवधि के भीतर उपनियम (2) के अधीन रकम का प्रतिसंधाय करने में असफल रहता है वहां वह रकम नियम 16 में अधिकृत रीति से वसूल की जाएगी।

- (4) जहां उपनियम (2) या उपनियम (3) के अधीन उससे वापसी की रकम की वसूली कर लिए जाने के पश्चात् निर्यातकर्ता द्वारा विक्रय आगमों की वसूली की जाती है और निर्यातकर्ता वापसी की रकम की ऐसी वसूली की तारीख से एक वर्ष के भीतर ऐसी वसूली का साक्ष्य प्रस्तुत करता है वहां ऐसे वसूल की गई वापसी की रकम का सहायक सीमाशुल्क आयुक्त द्वारा दावेदार को प्रतिसंधाय कर दिया जाएगा।"

[फा.सं. 602/5/91-डी.बी.के. V]

ए.के. मदान, अवर सचिव

पाठ टिप्पण :—मूल अधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र में सं. सा.का.नि. 441(अ), तारीख 26 मई, 1995 द्वारा प्रकाशित और सं. सा.का.नि. 643(अ), तारीख 19 सितम्बर, 1995 और सं. सा.का.नि. 689(अ) तारीख 20 अक्टूबर, 1995 द्वारा संशोधित।

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 1995

No. 72/95-CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 781(E).—In exercise of the powers conferred by Section 75 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and Section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995 notified by the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 37/95-Customs and Central Excises (NT) dated the 26th May, 1995, namely :—

1. (1) These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Drawback (Amendment) Rules, 1995.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. After rule 16 of the Customs and Central Excise Duties Drawback Rules, 1995, the following shall be inserted, namely :—

"16-A Recovery of amount of Drawback where export proceeds not realised.

- (1) Where an amount of drawback has been paid to an exporter or a person authorised by him (hereinafter referred to as the claimant) but the sale proceeds in respect of such export goods have not been realised by or on behalf of the exporter in India within the period allowed under the Foreign Exchange Regulation Act, 1973, (46 of 1973) including any extension of such period, such drawback shall be recovered in the manner specified below.
- (2) on receipt of relevant information from the Reserve Bank of India, the Assistant Commissioner of Customs shall cause notice to be issued to the exporter for production of evidence of realisation of export proceeds within a period of thirty days from the date of receipt of such notice and where the exporter does not produce such evidence within the said period of thirty days, the Assistant Commissioner of Customs shall pass an order to recover the amount of drawback paid to the claimant and the exporter shall repay the amount so demanded within sixty days of the receipt of the said order :

Provided that where a part of the sale proceeds has been realised, the amount of drawback to be recovered shall be the amount equal to that portion of the amount of drawback paid which bears the same proportion as the portion of the sale proceeds not realised bears to one total amount of sale proceeds ;

- (3) Where the exporter fails to repay the amount under sub-rule (2) within said period of sixty days referred to in sub-rule (2), it shall be recovered in the manner laid down in rule 16.
- (4) Where the sale proceeds are realised by the exporter after the amount of drawback has been recovered from him under sub-rule (2) or sub-rule (3) and the exporter produces evidence about such realisation within one year from the date of such recovery of the amount of drawback, the amount of drawback so recovered shall be repaid by the Assistant Commissioner of Customs to the claimant."

[F. No. 602/5/91-DBK]

A. K. MADAN, Under Secy.

Footnote—The principal notification was published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 441(E) dated 26th May, 1995 and amended vide No. G.S.R. 643(E) dated 18th September, 1995 and No. G.S.R. 689(E) dated 20th October, 1995.

